

भारतीय हॉकी के शताब्दी समारोह की उलटी गिनती शुरू

एजेंसियां | नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने 50 दिनों के जृन का किया आगाज



भारतीय हॉकी इंडिया के सौ वर्षों के उपलब्ध में देशभर में व्यापक शताब्दी समारोह की तैयारियां जारी पकड़ चुकी हैं। हॉकी इंडिया ने इस विश्व अवसर को चिह्नित करने के लिए बुधवार से 50 दिन का काउंटडाउन शुरू कर दिया है, जो 7 नवंबर 2025 को एक विश्व समारोह के साथ संपन्न होगा। यह ऐतिहासिक आयोजन 1925 में राष्ट्रीय हॉकी निकाय की स्थापना से लेकर आठ ओलंपिक स्वर्ण पदकों तक की प्रेरणादायक यात्रा का प्रतीक बनेगा।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और पूर्व

हॉकी के स्वर्णिम अवीत से परिवर्त करना है, उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य सिर्फ अवीत को याद रखना नहीं है, बल्कि उस विश्वास को जीवन करना है जिसने भारत को हॉकी की दुनिया में पहचान दिलाई है। हॉकी इंडिया ने संकेत दिया है कि आगामी दिनों में समारोह से जुड़े कई कार्यक्रमों की घोषणा की जाएंगी। इसमें विश्व प्रशंसनी में पूर्व खिलाड़ियों का सम्मान, डॉक्टर्स, स्कूल और कॉलेज स्तर पर प्रतियांगिताएं और डिजिटल अभिलेख शामिल हो सकते हैं।

भारत ने 1928 के एस्टर्डम ओलंपिक से 1980 के मास्को ओलंपिक तक की प्रेरणादायक यात्रा का प्रतीक बनेगा।

इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय

यह रिकॉर्ड आज भी किसी भी देश द्वारा एक ही खेल में ओलंपिक पदकों की सबसे ऊँची संख्या है। इस गोलीवर्षीय इंडिया से मैनेजर घायलांद, बरवीर सिंह सीधीयर, गुरुवर्स सिंह, मोहम्मद शाहिद जैसे कई नाम अपने हाँ चुके हैं।

1964 टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता कानानांगुबर्स सिंह ने इस अवसर पर भावुक हाकर कहा, पहला हॉकी ट्रॉफी में भारत में 1895 में खेल गया था, जिसे बांदर कप दिया जाता है। इसके बाद 1925 में राष्ट्रीय हॉकी संघ की स्थापना हो सकते हैं।

भारत ने 1928 के एस्टर्डम ओलंपिक से 1980 के मास्को ओलंपिक तक की प्रेरणादायक यात्रा का प्रतीक बनेगा।

1948 लंदन ओलंपिक की जीत को समर्पण क्षणों में से एक बताया। बर्लिन ओलंपिक की यादें और जज्बा जारी और अनाएं उन्होंने यह भी कहा कि इस 50 दिन की उलटी गिनती के दौरान देशभर में खेल और सांस्कृतिक आयोजनों की एक श्रृंखला चलाई जाएगी। भारतीय टीम को भजा गया। उन्होंने बताया कि उस समय 50,000 रुपये इकट्ठा करने के लिए रियायतों, अपीजाजों और आम लोगों ने 100 से 500 रुपये तक का योद्धान दिया, ताकि टीम समूहों मार्ग से जर्मनी जा सके। यह टीम वही थी, जिसने व्यापार के नेतृत्व में बर्लिन में साथ अपने चरणों में पहुंचे। यह टीम वही थी, जिसने भारत को खेलों की दुनिया में स्वर्णिम पहचान दिलाई।

सुनिश्चित करना है कि नई पीढ़ी सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि हॉकी जैसे खेलों के गोलीवर्षीय इतिहास को भी जारी और अनाएं उन्होंने यह भी कहा कि इस 50 दिन की उलटी गिनती के दौरान देशभर में खेल और सांस्कृतिक आयोजनों की एक श्रृंखला चलाई जाएगी। भारतीय हॉकी के बाबत एक खव्य समारोह का यह काउंटडाउन न केवल अवीत को सलामी है, बल्कि आने वाले भविष्य को प्रेरणा देने की एक कोशिश ही है। 7 नवंबर 2025 को कोशिश ही है। इस जून की वर्षीय टीम की दुनिया में स्वर्णिम पहचान दिलाई।

बायर्न म्यूनिख और इंटर मिलान ने जीते पहले मुकाबले

चौथींस लीग 2025-26



एजेंसियां | शून्यिख

ने मुकाबले का रुख पूरी तरह बायर्न के पक्ष में मोड़ दिया।

इस जीत के साथ बायर्न ने

चौथींस लीग 2025-26 के

शुरूआत में जर्मन

चौथींस लीग 2025-26 के

शुरूआत में अपना

चौथींस लीग

